सीएसआईआर-सीरी का 62वाँ स्थापना दिवस समारोह

सीएसआईआर - केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीरी), पिलानी में 21 सितंबर, 2014 को संस्थान का 62वाँ स्थापना दिवस, समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। इस वर्ष समारोह के **मुख्य अतिथि डॉ पी एस आहूजा,** महानिदेशक, सीएसआईआर नई दिल्ली थे। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर ने की। संस्थान के मुख्य सभागार में आयोजित इस भव्य समारोह में संस्थान के सहकर्मियों, पूर्व सहकर्मियों, बिट्स तथा बिरला शिक्षण संस्थान के अधिकारियों के अतिरिक्त पिलानी के विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि व गणमान्य नागिरक भी सम्मिलित हुए।

दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ करते हुए डॉ पी एस आहूजा, मुख्य अतिथि

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा संस्थान के सहकर्मियों द्वारा प्रस्तुत **सरस्वती वंदना "या कुंदेन्दु तुषार हार धवला, या शुभ्रवस्त्रावृता .....** से हुआ। इस अवसर पर संस्थान निदेशक **डॉ चंद्रशेखर** ने उपस्थित अतिथियों व सहकर्मियों को संबोधित करते हुए स्थापना की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस संस्थान की स्थापना वर्ष 1953 में हुई तथा संस्थान में शोध कार्यों का शुभारंभ सूक्ष्मतरंग युक्तियों से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने सभी पूर्ववर्ती निदेशकों व वरिष्ठ साथियों के योगदान को याद करते हुए पिछले एक वर्ष में संस्थान द्वारा संपन्न परियोजनाओं, नेटवर्क परियोजनाओं आदि की प्रगति एवं भावी कार्यक्रमों की संक्षिप्त जानकारी दी तथा विगत वर्ष में संस्थान द्वारा अर्जित उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

श्रोताओं को संस्थान की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. चंद्रशेखर

सभागार में उपस्थित सभी श्रोताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि संस्थान मुख्यतया इलेक्ट्रॉनिकी के तीन प्रमुख क्षेत्रों – सूक्ष्मतरंग नलिका, अर्द्धचालक युक्तियाँ और इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियाँ - में शोधरत है तथा हमारी शोध गतिविधियों को प्रमुख रूप से दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है - सीएसआईआर नेटवर्क परियोजनाएँ (जिनके लिए बजट पूर्णतया सीएसआईआर द्वारा ही उपलब्ध कराया जाता है) और प्रायोजित शोध परियोजनाएँ (जिनके लिए बजट का बड़ा भाग बाह्य स्रोतों से प्राप्त होता है)।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित 19 नेटवर्क परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है जिनमें से हमारा संस्थान 4 परियोजनाओं पर नोडल प्रयोगशाला के रूप में कार्य कर रहा है। अन्य 15 परियोजनाओं पर हमारा संस्थान परिषदकी अन्य प्रयोगशालाओं के साथ सहभागी संस्थान के रूप में शोधरत है। इसके अतिरिक्त संस्थान में इसरो, डीआरडीओ, डीएसटी, डीबीटी, डेइटी, बीएआरसी/डीएई आदि विभिन्न संगठनों और उद्योगों की 38 प्रायोजित परियोजनाओं पर भी कार्य चल रहा है। गतवर्ष 4 प्रायोजित शोध परियोजनाएं पूर्ण की गई हैं तथा 8 नई परियोजनाएं आरंभ की गई हैं। संस्थान के वैज्ञानिकों के विभिन्न शोध-पत्र/पत्रिकाओं में कुल 149 शोध पत्र प्रकाशित हुए जिनमें अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय सेमिनारों/संगोष्ठियों में प्रस्तुत 84 तथा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित 65 शोधपत्र सम्मिलित हैं। इन शोध पत्रों में से दो शोधपत्रों को दो भिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का

पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि विगत वर्ष में संस्थान में 8 पेटेंट फाइल किए गए। संस्थान की जनशक्ति पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि वर्तमान में संस्थान में कुल 401 नियमित सहकर्मी, 16 प्रशिक्षणार्थी वैज्ञानिक, 27 जेआरएफ, 11 एसआरएफ, 6 फेलो तथा 55 परियोजना अध्येता तथा 25 वरिष्ठ परियोजना अध्येता हैं। साथ ही, विभिन्न विश्वविद्यालयों से समझौता ज्ञापन के अंतर्गत संस्थान में 22 एम.टेक. तथा 52 पीएचडी छात्र प्रशिक्षणरत हैं। उन्होंने बताया कि गत वर्ष संस्थान में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम 354 प्रशिक्षणार्थियों एवं शोध छात्रों का मार्गदर्शन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित समुदाय को संस्थान की नवनिर्मित शोध सुविधाओं व प्रयोगशालाओं की भी जानकारी दी। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने सभी सहकर्मियों और उनके परिजनों को संस्थान की 61वीं वर्षगाँठ पर हार्दिक शुभकामना दी।

स्थापना दिवस उदबोधन देते हुए परिषद महानिदेशक
डॉ पी एस आहूजा

मुख्य अतिथि **डॉ पी एस आहूजा** ने स्थापना दिवस उद् बोधन में संस्थान के सहकर्मियों को 62 वें स्थापना दिवस की शुभकामना देते हुए संस्थान की वैज्ञानिक उपलब्धियों की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। अपने संक्षिप्त उद् बोधन में उन्होंने सीरी की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज सीरी अपनी उत्कृष्ट जनशक्ति तथा शोध कार्यों के कारण परिषद की प्रथम श्रेणी की प्रयोगशालाओं में है। संस्थान की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सीरी की उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं। उन्होंने कहा कि सीरी के कर्मचारियों का आपसी तालमेल व टीम भावना ही इसे परिषद की अन्य प्रयोगशालाओं से अलग तथा उच्च स्थान प्रदान करती है। मानवता के इतिहास की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी ने ही मानव सभ्यता के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में सूचना प्रौद्योगिकी ने हमारे जीवन में व्यापक परिवर्तन ला दिया है। इसके कारण ही अब पिलानी जैसा स्थान भी एकाकी नहीं रहा है। इलेक्ट्रॉनिकी के प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इसने भी मानवता को बहुत प्रभावित किया है।

संस्थान-प्रयोगशाला के परिभ्रमण के दौरान
डॉ पी एस आहूजा, मुख्य अतिथि एवं डॉ चंद्रशेखर, निदेशक

संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं व शोध सुविधाओं के अपने परिभ्रमण की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अब हमें यह सोचना होगा कि क्या हममें अपनी सीमाओं व योग्यता से आगे कार्य करने की क्षमता है। सीरी की वैज्ञानिक जनशक्ति की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से यह विशेषता सीरी में है। उन्होंने जोर देकर कहा कि परिषद प्रयोगशालाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रतिरक्षा और अन्य सामाजिक क्षेत्रों में अपनी सेवाएँ देनी चाहिए।

सभागार में उपस्थित अतिथि व सहकर्मी

सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस संस्थान में इस दिशा में कार्य करते हुए राष्ट्र-सेवा की असीम संभावना व क्षमता है। इस अवसर पर उन्होंने इलेक्ट्रॉनिकी की जटिलताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आवश्यक नहीं कि हम हर चीज़ विदेशों से खरीदें परंतु यदि विदेशों से कुछ सस्ता मिले तो हमें वहाँ से लेने में गुरेज नहीं करना चाहिए। वहीं हमें सामरिक महत्व की आवश्यकताओं को

यथा संभव स्वदेश में ही विकसित व निर्मित कर पूरा करना चाहिए।

उन्होंने इस अवसर पर सीरी द्वारा कृषि, मत्स्य, खनन, स्वास्थ्य, ऊर्जा आदि क्षेत्रों में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सीरी आगामी वर्षों में और अधिक ऊँचाइयों को छुएगा व नए कीर्तिमान स्थापित करेगा। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने पुन: सभी संस्थान सहकर्मियों को 62 वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामना दी।

सहकर्मियों को सेवा पुरस्कार से सम्मानित करते हुए परिषद महानिदेशक डॉ पी एस आहूजा

सेवा सम्मान

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने 10, 20, 25 और 30 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले संस्थान के 50 सहकर्मियों को सम्मानित किया तथा सम्मानस्वरूप उपहार भेंट किए।

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ चंद्रशेखर,निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

अतिथि सम्मान

संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर ने मुख्य अतिथि डॉ पी एस आहूजा को **शॉल** ओढ़ाकर तथा **स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया।

वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ पी एस आहूजा तथा संस्थान के निदेशक डॉ चंद्रशेखर ने संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2013-14) का विमोचन किया।

वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री अमित कुमार, वैज्ञानिक

इससे पूर्व कार्यक्रम के आरंभ में समारोह का संचालन करते हुए **श्री अमित कुमार मिश्र,** वैज्ञानिक, ने उपस्थित अतिथियों व सहकर्मियों को मुख्य अतिथि का औपचारिक परिचय दिया। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं को मुख्य अतिथि की शैक्षणिक व कार्यक्षेत्र में अर्जित उपलब्धियों से अवगत कराया।

अंत में **श्री राहुल वर्मा,** प्रमुख वैज्ञानिक, ने **धन्यवाद ज्ञापित** किया। उन्होंने मुख्य अतिथि डॉ आहूजा तथा डॉ चंद्रशेखर के प्रति आभार व्यक्त किया तथा आयोजन से जुड़े सभी सहकर्मियों को उनके प्रत्यक्ष या परोक्ष सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सभी सहकर्मियोंको संस्थान के 62वें स्थापना दिवस की बधाई दी।

समारोह का समापन **राष्ट्रगान** के साथ हुआ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर संस्थान के सहकर्मियों व अतिथियों के मनोरंजन के लिए संगीतमय **सांस्कृतिक संध्या** का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान सहकर्मियों, सीरी के लेडीज़ क्लब सदस्यों, सीरी विद्या मंदिर के विद्यार्थियों तथा बिट्स पिलानी के छात्रों ने अपनी मनोरंजक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। सभी ने कार्यक्रम की सराहना की।

सांस्कृतिक संध्या में भरतनाट्यम प्रस्तुत करती हुई कलाकार

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मूक हास्य नाटिका(माइम) का दृश्य

सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ आहूजा

अंत में मुख्य अतिथि ने सभी कलाकारों को स्थापना दिवस का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। साँस्कृतिक संध्या का संचालन **श्री विषांत** तथा **सुश्री सुनीता आर्य** ने किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन करती हुई सुश्री सुनीता आर्य

इस प्रकार संस्थान का 62वाँ स्थापना दिवस समारोह संपन्न हुआ।